भारत में फसल ऋतुएँ
Crop Seasons in India

→ भारत के उत्तरी व आंतरिक भागो में तीन प्रमुख ऋतुएँ खरीफ रबी जायद के नाम से जानी जाती है।

→ In the northern and interior parts of India, three major seasons are known as Kharif, Rabi and Zayed.

→ खरीफ फसल ऋतु - खरीफ की फसले अधिकतर दक्षिण-पश्चिमी मानसून के साथ बोई जाती हैं, जिसमे अष्ठा कटिबंधीय फसलें सम्मिलित हैं:

<u>जैसे</u> → चावल, कपास, जूट, ज्वार, बाजरा व अरहर आदि।

→ Kharif Crop Season = Kharif crop are mostly sown with the south-west monsoon, including tropical crops:

For example - Rice, cotton, Jute, Jawar, Bajra and Arhar etc.

- बुवाई अवधि = sowing period → June - July (जून - जुलाई)
- कटाई अवधि (harvesting period) → October - November (अक्टूबर - नवम्बर)

भारत में फसल ऋतुएँ
Crop Seasons in India

→ भारत के उत्तरी व आंतरिक भागो में तीन प्रमुख ऋतुएँ खरीफ रबी जायद के नाम से जानी जाती है।

→ In the northern and interior parts of India, three major seasons are known as Kharif, Rabi and Zayed.

→ खरीफ फसल ऋतु = खरीफ की फसले अधिकतर दक्षिण-पश्चिमी मानसून के साथ बोई जाती हैं, जिसमे ऊष्ण कटिबंधीय फसलें सम्मिलित हैं:

जैसे ⇒ चावल, कपास, जूट, ज्वार, बाजरा व अरहर आदि।

→ Kharif Crop Season = Kharif crop are mostly sown with the south-west monsoon, including tropical crops:

For example - Rice, cotton, Jute, Jawar, Bajra and Arhar etc.

- बुवाई अवधि = sowing period ⇒ June - July (जून - जुलाई)
- कटाई अवधि (harvesting period) ⇒ October - November (अक्टूबर - नवम्बर)

→ रबी फसल ऋतु = रबी की फसलो की शीत ऋतु में अक्टूबर से दिसंबर के मध्य बोया जाता है। और ग्रीष्म ऋतु मे अप्रैल से जून के मध्य काटा जाता है, इस समय कम तापमान, शीतोष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय फसल जैसे -गेहूँ, चना, जौ, मटर, सरसो आदि की बुवाई में सहायक होता है।

Rabi crop season - Rabi crops are sown in winter season between October to December and harvested in summer season from April to June. this time is helpful in sowing low temprature, and subtropical crops for example = wheat, gram, barley, peas and mustard etc.

→ जायद फसल ऋतु - जायद एक अल्पकालिक ग्रीष्मकालीन फसल है, जो रबी और खरीफ फसल ऋतुओ के बीच ग्रीष्म ऋतु में बोई जाती है। इस ऋतु मे तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककडी, सब्जियाँ व चारे की फसलो की कृषि सिंचित भूमि पर की जाती है। यद्यपि इस प्रकार की पृथक फसल ऋतुएँ देश के दक्षिणी भागो में नही पाई जाती है।

Zayed crop season - Zayed is a short duration summer crop season, sown in the summer between Rabi and Kharif crop seasons. In this season, watermalon, cucumber, vegetable and fodder crops are cultivated on irrigated land However, such distinct crop seasons are not found in the southern parts of the country.

- बुवाई अवधि (Sowing period)- March - April
- कटाई अवधि (Harvesting period)- June – July

भारतीय कृषि ऋतु

कृषि ऋतु	उत्तरी भारतीय राज्य प्रमुख फसलें	दक्षिणी भारतीय राज्य
• खरीफ (जून से सितंबर)	चावल, कपास, बाजरा मक्का, ज्वार, अरहर (तूअर)	चावल, मक्का रागी ज्वार, मूँगफली
• रबी (अक्टूबर से मार्च)	गेहूँ, चना, तोरिया, सरसो जौ	चावल, मक्का, रागी, मूँगफली
• जायद (अप्रैल से जून)	सब्जियाँ, फल, चारा, फसले	सब्जियाँ, चारा

प्रमुख फसलें/Major crop

चावल | Rice

- भारत मे अधिकांश लोगो का खाद्यान चावल (Rice) है। यद्यपि यह एक उष्ण आर्द्र कटिबंधीय फसल है।
Rice is the food grain of most of the people in India. Although it is a hot humid tropical crop.

→ यह एक खरीफ की फसल है, जिसे उगने के लिए उच्च तापमान (25°C से ऊपर) और अधिक आर्द्रता (100 cm से अधिक वर्षा) की आवश्यकता होती है।

It is a Khasif crop, which requires high temperature (above 25°C.) and high humidity (rainfall more than 400 cm) to grow.

→ कम बर्षा वाले क्षेत्रों में इसे सिंचाई करके उगाया जाता है। चावल की फसल हेतू चिकनी एवं दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है।

In areas with low rainfall, it is grown under irrigation. Smooth and loamy soil is suitable for rice crop.

→ भारत विश्व का लगभग 21.6% चावल उत्पादन करता है तथा चीन के बाद विश्व में दूसरा प्रमुख उत्पादक देश है।

India produces 21.6% of the world's rice and is the second producer in the world after china.

→ देश के कुल बोए गए क्षेत्र के एक-चौथाई भाग पर चावल बोया जाता है। देश के प्रमुख चावल उत्पादक राज्य प० बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब है।

Rice is grown on one-fourth of the total cultivated area of the country. The major rice producing states of the country are west Bengal, Uttar pradesh, Punjab.

→ चावल की प्रति हैक्टेयर पैदावार पंजाब, तमिलनाडू, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, प० बंगाल तथा केरल राज्यों में अधिक होती है।

It is a Kharif crop, which requires high temprature (above 25°C.) and high humidity (rainfall more than 100 cm) to grow.

→ कम वर्षा वाले क्षेत्रों में इसे सिंचाई करके उगाया जाता है। चावल की फसल हेतू चिकनी एवं दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है।

In areas with low rainfall, it is grown under irrigation. Smooth and loamy soil is suitable for rice crop.

→ भारत विश्व का लगभग 21.6% चावल उत्पादन करता है तथा चीन के बाद विश्व में दूसरा प्रमुख उत्पादक देश है।

India produces 21.6% of the world's rice and is the second producer in the world after china.

→ देश के कुल बोए गए क्षेत्र के एक-चौथाई भाग पर चावल बोया जाता है। देश के प्रमुख चावल उत्पादक राज्य प० बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब है।

Rice is grown on one-fourth of the total cultivated area of the country. The major rice producing states of the country are west Bengal, Uttar pradesh, Punjab.

→ चावल की प्रति हैक्टेयर पैदावार पंजाब, तमिलनाडू, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, प० बंगाल तथा केरल राज्यों में अधिक होती है।

The per hectare yield of rice is high in the states of punyab, Tamilnadu, Haryana, Andhra pradesh Telangana, West Bengal and Kerala.

- चावल की प्रमुख ~~फसलें~~ किस्में IR20, जया, पूसा-2-21 कावेरी, IET 1039, IET-1136

The mayor varieties of rice are IR 20, Joya, Pusa2-21, Kaveri, IET-1039, IET-1136.

गेहूँ / wheat

- इसे उगाने के लिए समान रूप से वितरित 50 से 75 cm वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।

It requires an evenly distributed annual rainfall of 50 to 75 cm to grow.

- गेहूँ की फसल हेतु तापमान 10°C – 15°C एवं जलोढ मिट्टी उपयुक्त है।

Temprature 10°C – 15°C and alluvial soil is suitable for what crop.

- देश के कुल बोए गए क्षेत्र के लगभग 14% भाग पर गेहूँ की कृषि की जाती है, गेहूँ के प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान है।

→ Wheat is cultivated on about 14% of the total sown area of the country. The major wheat producing states are Uttar pradesh, M.P., Punjab, Haryana and Rajasthan.

मोटे अनाज / Coarse grains

→ ज्वार, बाजरा भारत में उगाये जाने वाले मुख्य मोटे अनाज हैं, परन्तु इनमें पोषक तत्व की मात्रा अधिक होती है।

Jowar, Bajra are the main coarse grains grown in India but they have high nutritional content.

→ देश के कुल बोए गए क्षेत्र के 16.5% भाग पर मोटे अनाज बोए जाते हैं।

Coarse cereals are sown on 16.5% of the total sown area of the country.

ज्वार / High tide

→ ज्वार कुल बोए गए क्षेत्र के लगभग 5.3% भाग पर बोई जाती है।

Jowar is sown on about 5.3% of the total cultivated area, it is the main food crop of semi-arid areas of South and central India.

→ महाराष्ट्र अकेले देश में 50% से अधिक ज्वार का उत्पादन करता है। अन्य प्रमुख ज्वार उत्पादक राज्यों में कर्नाटक, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश व तेलंगाना है।

Maharashtra alone produces more than 50% of Jwar in the country. other major sorghum producing states are Karnataka, MP, Andhra Pradesh and Telangana.

→ दक्षिण राज्यों में यह खरीफ तथा रबी दोनों ऋतुओं में बोई जाती है, परंतु उत्तर भारत में यह मुख्यतः खरीफ की फसल है, और यह चारा फसल के रूप में उगाई जाती है।

In southern states, it is sown in both Kharif and Rabi seasons, but in North India it is mainly a Kharif crop and is grown as a fodder crop

→ ज्वार की फसल हेतु 27°C–32°C तापमान 30-65 cm वार्षिक वर्षा एवं काली व चिकनी दोमट मिट्टी आवश्यक होती है।

27°C - 32°C temperature, 30-65 cm annual rainfall and black and small loamy soil are necessary for sorghum crop.

→ ज्वार की प्रमुख किस्में / Major Varieties of Jwar are=
↳ CHS-1 , CHS4 , CSV-1 , CSV-6, M35-1 है।

बाजरा / Millet

- बाजरा उत्पादक प्रमुख राज्य महाराष्ट्र , गुजरात , उत्तर प्रदेश , राजस्थान व हरियाणा है।
Major millet producing states are Maharastra, Gujrat, Uttar pradesh, Rajasthan and Haryana.

→ बाजरे की फसल हेतु 25°C - 31°C तापमान 40-50 cm वर्षा एवं हल्की रेतीली काली मिट्टी उपयुक्त होती है।
25°C - 31°C temperature , 40-50cm rainfall and Light Sandy black soil are suitable for Bajra crop.

→ बाजरे की प्रमुख किस्में / Major Varieties of Bajra are = CO1 , CO2 , HHB67 , WCC75.